Gram : TERAPANTHI

Phone : 2235-7269

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा

३, पोर्चुगीज चर्च स्ट्रीट, २ तल्ला, कोलकाता - ७०० ००१

क्र०.....

दिनांक : 28.03.2010

सादर प्रकाशनार्थ

2609वीं महावीर जयंती का भव्य आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं का समाधान है महावीर वाणी में

– साध्वी कनकश्री

कोलकाता, 28 मार्च 2010 – आचार्य श्री महाप्रज्ञजी की प्रबुद्ध शिष्या साध्वीश्री कनकश्रीजी के सान्निध्य में जैन परंपरा के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की 2609वीं जन्म जयंती का भव्य आयोजन श्री जैन श्वेताम्बर तेरांपथी सभा कोलकाता के तत्वावधान में महासभा भवन में हुआ। इससे पूर्व प्रातः 8 बजे दक्षिण हावड़ा, उत्तर हावड़ा, गीरीश पार्क, मित्र परिषद भवन से प्रारम्भ होकर चार अहिंसा रैलिया हावड़ा ब्रिज, कलाकार स्ट्रीट, विवेकानन्द रोड़, सेन्ट्रल एवेन्यू होती हुई कलाकार स्ट्रीट– महात्मा गांधी रोड के संगम स्थल पर पहुंची जहां साध्वी कनकश्रीजी व साध्वीवृंद ने आशीर्वाद प्रदान किया, रैलियों एवं साथ में चल रही महावीर के जीवन दर्शन को प्रतिविम्बित करती हुई ज्ञानशालाओं के बच्चों द्वारा प्रस्तुत झांकियों का अवलोकन किया।

रैली में आगे–आगे उद्घोषक भगवान महावीर के संदेशों को प्रसारित कर रहे थे, वहीं जैन ध्वज प्रत्येक रैली का नेतृत्व कर रहा था। रैली में संभागी कोलकाता, हावड़ा एवं उत्तरपाड़ा, बाली–बेलुर, लिलुआ, हिन्दमोटर, रिसड़ा आदि क्षेत्रों के बच्चे, महिला मंडल की बहनें गणवेश में, पुरुष अपने गणवेश में, महावीर के संदेशों की पट्टियां हाथ में लिये पूर्ण अनुशासित होकर चल रहे थे। विभिन्न भजन मंडलियां भगवान महावीर की अभ्यर्थना में भाव विभोर होकर भजनों की प्रस्तुति कर रही थी। रैली में विभिन्न झांकियों के माध्यम से ज्ञानशाला के बच्चों ने भगवान महावीर के जीवन दर्शन की प्रस्तुति में मेरू – शिखर पर वर्द्धमान का अभिषेक समारोह– इन्द्र व अन्य देवताओं द्वारा (उत्तर हावड़ सभा), भगवान महावीर की 5 माह 25 दिन का अभिग्रह सहित तपस्या का चन्दनबाला के हाथों से पारणा (पूर्वांचल सभा), संगम देव द्वारा दिये गये विभिन्न उपसर्गों में अडोल महावीर (दक्षिण हावड़ा सभा) व गुरुकुल में कलाचार्य से शिक्षा ग्रहण करते बालक वर्धमान व अन्य बालक (दक्षिण कोलकाता सभा) अपनी भूमिका निभाई। इन प्रस्तुतियों में स्थानीय सभा, महिला मंडल, ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं व अन्य कार्यकर्त्ताओं का श्रम मुखरित हो रहा था। अहिंसा रैली तीन दिशाओं से प्रारम्भ हुई जिसमें लगभग 2000 श्रद्धालुओं की उपस्थिति थी। स्थानीय पार्षद श्रीमती सुनीता झंवर ने स्वयं रैली के संभागियों एवं बच्चों का उत्साह वर्धन टॉफियां प्रदान करके किया। महासभा भवन में पहुंच कर भव्य रैली सभा में परिवर्तित हुई। जहां भगवान महावीर के जन्म कल्याणक का कार्यक्रम साध्वीश्री कनकश्रीजी के सान्निध्य में मनाया गया। रैली में तेरापंथी विद्यालय के सैकड़ो छात्र-छात्राए सहभागी बने।

कार्यक्रम का शुभारम्भ साध्वीश्रीजी द्वारा मंगलमंत्र के उच्चारण के साथ हुआ। तेयुप कोलकाता के अर्हम् मंडल के सदस्यों ने मंगलाचरण किया। कोलकाता सभा के अध्यक्ष श्री करणसिंह नाहटा ने पूरे श्रावक समाज की ओर से महावीर की अभ्यर्थना करते हुए सबका स्वागत किया। श्री भंवरलाल बैद ने निर्णायक की भूमिका निभाते हुए रैली में ज्ञानशालाओं के बच्चों द्वारा प्रस्तुत झांकियों में उत्तर हावड़ा को प्रथम व पूर्वांचल को द्वितीय घोषित किया। दक्षिण हावड़ा सभा के अध्यक्ष श्री जंवरीलाल नाहटा एवं श्री प्रकाशचंद मालू (संपादक) ने दक्षिण हावड़ा प्रवासियों की निर्देशिका साध्वीश्रीजी को उपहृत की। मंत्री श्री महेन्द्र कोचर ने अपने विचार व्यक्त किए। साध्वीश्री मधुलेखाजी ने भगवान महावीर के जीवन पर प्रकाश डाला। साध्वीश्री मधुलताजी ने प्रभु महावीर की अभिवंदना करते हुए कहा कि महावीर के सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारकर व्यक्ति अपने व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक जीवन में हर प्रकार की परिस्थिति में समाधान प्राप्त कर सकता है।

साध्वीश्री कनकश्रजी ने विशाल जनमेदिनी को उद्बोधित करते हुए कहा कि महावीर का संदेश अंतर्राष्ट्रीय समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। भगवान महावीर का जन्म प्राणी जगत के लिए महत्त्वपूर्ण था, क्योंकि उन्होंने विश्व के अंधकार को दूर किया। समाज में व्याप्त कुरीतियों – महिला शोषण, सम्प्रदायवाद, प्रान्तवाद, जातिवाद आदि पर प्रहार किया। भगवान महावीर ने समग्र विश्व को समन्वय का संदेश दिया। वे एक देदीप्यमान नक्षत्र थे। उन्होंने सत्य का अन्वेषण किया एवं पाया कि आत्मा में अनन्त शक्ति है। सहजता, साधारणता एवं समता उनकी जीवन यात्रा के महत्त्वपूर्ण सूत्र थे। महावीर के सिद्धान्तों को वर्तमान संदर्भ में व्याख्यायित कर आचार्यश्री महाप्रज्ञजी वैश्विक समस्याओं का समाधायक के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। आवश्यकता है हम महावीर को जीने का प्रयास करें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष श्री चैनरूपजी चिण्डालिया ने की। प्रधान अतिथि थे – महासभा के प्रधान ट्रस्टी श्री राजेन्द्रजी बच्छावत। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित पश्चिम बंगाल विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता श्री पार्थ चटर्जी ने महावीर के सिद्धान्तों को वर्तमान में प्रासंगिक बतलाया। स्थानीय पार्षद श्री सुनीता झंवर ने सक्रिय सहभागिता निभाई व अपने वक्तव्य में चुनावों में अणुव्रत के नियमों के अनुरूप आचरण का संकल्प व्यक्त किया। साध्वीवृंद ने गीतिका प्रस्तुत की। कोलकाता सभा द्वारा अतिथियों का सम्मान किया गया। रैलियों की व्यवस्था का दायित्व जैन कार्यवाहिनी ने निर्वहन किया। सभा के मंत्री श्री नरेन्द्र मणोत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संयोजकीय दायित्व का निर्वहन महासभा के महामंत्री श्री भंवरलाल सिंघी ने कुशलतापूर्वक किया।

साध्वी मधुलताजी ने साध्वी वीणाकुमारीजी के 39 वें दीक्षा दिवस पर मंगलकामना प्रेषित की.